

में बरसाने की छोरी

में बरसाने की छोरी तू है गोकुल का ग्वाला
रास रचाये वृन्दावन में बुला रहे ब्रजबाला
आजा नन्द के लाला, आजा नन्द के लाला

तू बरसाने की छोरी मैं हूँ गोकुल का कान्हा
भरके मटकी माखन की तुम अपने घर से लाना
तभी आएं कान्हा, तभी आएं कान्हा

हम तो हो गए तोरी दीवानी तूने मोरी कदर ना जानी
तुमरे बिन दिल लगता ना तू मत करियो मनमानी
बन्सी की धून बजा के तूने कैसा जादू डाला

सब ग्वाल बाल आएं जी भरके माखन खाएं
करके पेट की पूजा हम फिर नाचे और गाएं
अपनी मीठी वाणी में तुम्हे गीत भी होगा गाना

सब शर्ते मंजूर है तोरी छोड़ भी दो अब जोरा जोरी
राह निहारेंगे सब मिलके चित्रा संग किशोरी
हर पल तेरा नाम पुकारे साँसों की ये माला

तुम बिन राधे श्याम अधूरा, वचन दिया हम करेंगे पूरा
आएं हम रास रचाने करेंगे खूब जहूरा
रंग लगाएं हम तो चले ना कोई बहाना

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18184/title/maina-barsane-ki-chori>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |